ikfj&iquLFkkZiu ou vuqla/kku dsUnz

FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION

CONSULTATION MEETING FOR DPR PREPARATION FOR YAMUNA REJUVENATION AT AGRA BY FRCER PRAYAGRAJ

A meeting cum workshop organized for briefing the formats of information sought from Uttar Pradesh Forest Department for the preparation of Detailed Project Report for Rejuvenation of Yamuna river through Forestry Interventions on 11th October 2019 at Tourist Bungalow Agra, Uttar Pradesh. In workshop forest officials and field level staff from Agra, Mathura, Firojabad Forest Divisions and Mainpuri Wild Life Forest Division actively participated.

The meeting cum workshop was inaugurated and chaired by Mr. K. Pravin Rao, Additional PCCF, Agra Zone. Mr. Maneesh Mittal DFO, Agra Forest Division and Mr. Mukesh Sharma, DFO Mathura Forest Division, Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER, Prayagraj and Dr. Kumud Dubey, Scientist and Nodal Officer for Uttar Pradesh for Yamuna DPR co-chaired the session.

At inception, Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER, Prayagraj welcomed the participants and presented a brief overview about various aspects of the formats devised by FRI Dehradun for collection of requisite information for different forestry interventions for preparation of DPR for Yamuna rejuvenation.

Dr. Kumud Dubey, Scientist and Nodal Officer (UP) made a detailed presentation of the project and appraised about the formats viz. Natural Landscapes, Agricultural Landscape, Urban Landscape, Conservation and Extension Strategies.

Mr. Mukesh Sharma, DFO Mathura Forest Division, presented his experiences of Forestry Plantations in Yamuna riparian Zone and Yamuna Khadar Region. Mr. Maneesh Mittal DFO, Agra Forest Division also expressed his views for Forestry interventions.

The technical session was followed by interactive session with active participation of more than 50 forest officials and field staff. The queries and doubts raised by the forest officials regarding the format filling clarified by the scientists from FRCER, Prayagraj.

A time frame was fixed by the Chair person Mr. K. Pravin Rao, Additional PCCF, Agra Zone to assure the completion of field works. The workshop ended with vote of thanks by Dr. Kumud Dubey, Scientist, FRCER, Prayagraj.

GLIMPSES OF MEETING CUM WORKSHOP

MEETING FOR BRIEFING ABOU
FORMATS OF THE INFORMATI
FOR
DPR PREPARATION O
Rejuvenation of Yamuna River Through Forestry
Forest Research Institute, Dehrad

Agra Newspaper 12 Oct ...
https://epaper.jagran.com

www.jagran.com

हरियाली से कम करेंगे यमुना जल का प्रदूषण

- वन विभाग की शुक्रवार को रही टूरिस्ट बंगला में हुई कार्यशाला
- नदी, नालों के आसपास की भूमि पर किया जाएगा पौधारोपण

रही टूरिस्ट बंगला में आयोजित कार्यशाला में जानकारी देते डॉ. संजय सिंह व मंच पर बैठे अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक के प्रवीण राव, डीएफओ मनीष मित्तल, परियोजना की उप्र नोडल अधिकारी डॉ. कुमुद दुबे • जागरण

जासं, आगरा: यमुना नदी में शहर के गंदे नाले गिर रहे हैं। यमुना जल में प्रदूषित स्तर को कम करने के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा परियोजना बनाई जा रही है। इसका प्रशिक्षण वन कर्मियों का दिया जा रहा है। ताकि नदी नालों के पास हरियाली फैलाई जा सके।

वन विभाग की तरफ से शुक्रवार को दिल्ली गेट स्थित रही टूरिस्ट बंगला में कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें उप्र में परियोजना की नोडल अधिकारी डॉ. कुमुद दुबे ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि सरकारी और गैर सरकारी भूमि पर वानिकी कार्यों के माध्यम से पौधारोपण किया जाएगा। यमुना नदी और नालों के दोनों ओर पांच किलोमीटर के दायरे को चिन्हित किया जाएगा। जिससे यमुना नदी व उसके आसपास की नहर, नालों के जल में प्रदूषण का स्तर कम किया जा सके। शहर में ईको पार्क विकसित किया जाएगा। इसके लिए वन विभाग अधिकारी परियोजना रिपोर्ट तैयार करेंगे।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक के प्रवीन राव ने आगरा, मथुरा और फीरोजाबाद के वन विभाग के अधिकारियों डीपीआर तैयार करने का प्रारूप दिया है। उन्होंने बताया कि उप्र में यमुना का क्षेत्रफल बढ़ा है। यमुना नदी भारत के जिन राज्यों से गुजर रही है। वन अनुसंधान केंद्र देहरादून के निदेशक एएस रावत ने परियोजना की रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। इसमें पांच बिंदुओं पर तकनीकी रूप से आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि यमुना नदी, नाले के दोनों तटों पर बायोरेमिडेशन एवं बायोफिल्टरेशन, रीवर फ्रंट डलवपमेंट, ईको टूरिज्म, निजी भूमि पर पौधारोपण, औद्योगिक संस्थानों में पौधारोपण किया जाएगा। इसके बाद पांच वर्ष की विस्तृत कार्य योजना बनाई जाएगी। वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज द्वारा वन कर्मियों को इसका प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सामाजिक वानिकी प्रभाग आगरा के प्रभागीय निदेशक मनीष मित्तल ने बताया कि परियोजना में नेहरू युवा केंद्र, ईको क्लब स्थानीय निकाय को जोड़ कर कार्ययोजना बनाई जा सकती है। इसमें वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज के हेड ऑफ डिपार्टमेंट डॉ. संजय सिंह, सामाजिक वानिकी प्रभाग मथुरा के प्रभागीय निदेशक मुकेश शर्मा और सभी एसडीओ उपस्थित रहे।

रिसर्च इंस्टीट्यूट व वन विभाग की वर्कशॉप में बोलते विशेषज्ञ। अमर उजाला

बीहड़ में लगाएं बेर-अमरूद, शहर से दूर होंगे बंदर

अमर उजाला ब्यूरो

फोरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ने यमुना के खादर में फलदार पौधे लगाने का सुझाव दिया

आगरा। शहर में कचरे में खाने की तलाश करने वाले बंदरों को यदि बीहड़ या वन क्षेत्र के जंगलों में बेर, अमरूद, गूलर जैसे फल मिल जाएंगे तो वे शहर से दूर हो जाएंगे। नमामि यमुना योजना में बबूल के जंगल, बीहड़ और नदियों के खादर में फलदार पौधे लगाने पर जोर दिया जा रहा है, जो आगरा-मथुरा जैसे शहरों में बंदरों की बड़ी समस्या भी दूर कर सकते हैं।

ये सुझाव वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज के विशेषज्ञ डॉ. संजय सिंह और डॉ. कुमुद दुबे ने शुक्रवार को नमामि यमुना प्रोजेक्ट की डीपीआर के लिए हुई वर्कशॉप में दिए। वन अधिकारियों के साथ टूरिस्ट बंगले में हुई वर्कशॉप में यमुना का प्रदूषण बायो री-मेडिएशन, रिवरफ्रंट के जरिए कम करने पर चर्चा हुई। वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज के विशेषज्ञ डॉ. संजय सिंह ने बताया कि बेहद प्राकृतिक तरीके से चार चरणों में नालों का पानी न केवल साफ होगा, बल्कि बीहड़ में चौड़ी पत्ती वाले पौधों के लिए उपयुक्त नमी भी बन पाएगी। आगरा में नालों का पानी साफ होकर यमुना में पहुंचे, नमामि यमुना प्रोजेक्ट में यह शामिल होगा।

वर्कशॉप में अपर प्रधान वन संरक्षक के प्रवीन राव ने वन विभाग की नर्सरी में फलदार पौधों को अनिवार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएफओ मनीष मित्तल, डीएफओ मथुरा मुकेश शर्मा सहित आगरा, फिरोजाबाद और मथुरा के एसडीओ और रेंजर मौजूद रहे।